

8/24 राजपुत्री पर, इरी वकील 31/40 मनुष्य

आवान जगई गई वॉई इत नही
स्वायाम लमद लमद व इव जि

वे का वॉ स्वायाम जगई गई जि

भी वॉई इत नही जि हाजु अकण

स्वयम हाजरी स्वयम वेंरवा में खारिज

मिदि जात वी पत्तपत्री केसल शुभा

लोका नमका के वाम ही एक दाखिल

~~दफ्तरी~~

राजपुत्री कायदा 1956